राज्य सरकार ने सभी कार्मिकों की छुट्टी रद्द की

मुख्यमंत्री भजनलाल ने आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिये

■ सीमा पर उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनज़र मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उच्च अधिकारियों की सुरक्षा व्यवस्था संबंधी बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में आवश्यक मानव संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित किया। उन्होंने सीमा पर उत्पन्न हुईं तनावपूर्ण परिस्थितियों के मद्देनजर, प्रदेशभर, विशेषकर सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए।

जयपुर, 8 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीमा पर उत्पन्न हुईं तनावपूर्ण परिस्थितियों के मद्देनजर, प्रदेशभर, विशेषकर सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में आवश्यक मानव संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि आपातकालीन स्थिति में नागरिकों के लिए सेवाएं बाधित न हों और उन्हें हर तरह की सहायता त्वरित मिल सके। शर्मा ने सभी राजकीय कार्मिकों की छुट्टियां निरस्त करने और उन्हें मुख्यालय पर उपस्थित रहने के संबंध में निर्देश भी दिए।

शर्मा गुरूवार शाम को मुख्यमंत्री निवास पर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान बॉर्डर पर स्थित हमारा राज्य सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील है। ऐसे में राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक कदम उठाएं। आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएं। उन्होंने कहा कि ब्लैकआउट ड्रिल की सख्ती से अनुपालना हो और किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती जाए।

मुख्यमंत्री ने एसडीआरफ की यूनिट्स को सीमावर्ती क्षेत्रों में भेजने के निर्देश दिए। साथ ही, शर्मा ने श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर के लिए 5 करोड़ रूपए और फलौदी, जोधपुर एवं हनुमानगढ़ के लिए 2 करोड़ 50 लाख रूपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता जारी करने के निर्देश दिए, जिससे ये जिले आपातकालीन स्थिति में आवश्यक उपकरण एवं सेवाएं नियोजित कर सकेंगे।

उन्होंने सीमावर्ती जिलों में आरएसी और होमगार्ड की अतिरिक्त कंपनियां उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देशित किया। साथ ही, शर्मा ने अतिरिक्त फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की सेवाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सालयों में पर्याप्त दवा और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करें और ब्लड बैंकों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध रहें।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिवगृह आनंद कुमार, महानिदेशक इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था विशाल बंसल उपस्थित रहे।

कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट होंगे नये पोप

जयपुर, 8 मई। दुनिया को नया पोप मिल गया है। 69 साल के रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को नया पोप चुन लिया गया है। वो अमेरिका से पोप बनने वाले पहले कार्डिनल हैं। उन्होंने अपने लिए पोप लियो-14 नाम चुना है।

133 कार्डिनल्स ने वोटिंग के जरिए दो-तिहाई बहुमत (89 वोट) से उन्हें पोप चुना। 1900 के बाद से यह पांचवां मौका है जब नए पोप को दो दिनों में चुन लिया गया।

■ इन्हें पोप लियो का नाम दिया गया है।

वोटिंग के दूसरे ही दिन रोमन कैथोलिक चर्च के सिस्टीन चैपल पर स्थित चिमनी से सफेद धुआं निकला, जिससे पता चलता है कि नए पोप का चयन हो गया है। रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट एक अमेरिकी कैथोलिक नेता हैं। उनका जन्म 14 सितंबर 1955 को शिकागो में हुआ। वे 2025 में पोप चुने गए। पोप फ्रांसिस की मृत्यु 21 अप्रैल 2025 को हुई। प्रीवोस्ट नए पोप लियो हैं। यह खबर 8 मई 2025 को आई।

प्रीवोस्ट का जन्म शिकागो में हुआ। उनके माता-पिता फ्रांसीसी, इतालवी और स्पेनिश मूल के थे। उन्होंने 1977 में विलानोवा यूनिवर्सिटी से गणित में डिग्री ली।

विदेश मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि उन्होंने आतंकवाद का दृढ़ता से मुकाबला करने के लिए भारत की लक्षित और संतुलित प्रतिक्रिया पर चर्चा की। किसी भी वृद्धि पर कड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिलेगी। पाकिस्तान के ड्रोन अटैक को भारत ने नाकाम कर दिया है। वहीं अब भारतीय सेनाएं पाकिस्तान को जवाबी कार्रवाई देने के लिए तैयार है। इस बीच एनएसए अजीत डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्थिति की जानकारी दी है।

पाकिस्तान के हमले के जवाब में लाहौर का एयर डिफैंस सिस्टम नष्ट

पाकिस्तान के 15 शहरों पर किये हमले को भारत ने विफल किया

■ पाकिस्तान पर जवाबी हमलों में भारतीय सेना हैरोप ड्रोन का उपयोग कर रही है। यह इज़रायल का बनाया हुआ ड्रोन है। यह आसमान में घूमता रहता है तथा जब आदेश मिलता है तब आक्रमण करता है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। देश के उत्तरी पश्चिमी हिस्सों में कई स्थानों को टारगेट बनाकर किये गये पाकिस्तानी हमलों के जवाब में, भारत ने गुरुवार को पाकिस्तान के कई शहरों, जिनमें लाहौर और रावलपिंडी भी शामिल हैं, के एयर डिफेन्स रडारों और सिस्टम्स को टारगेट बनाकर बदला लिया।

अधिकारियों ने यहाँ बताया कि लाहौर में एक एयर डिफेन्स सिस्टम "निष्क्रिय कर दिया गया है।" रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम पर भी ड्रोन हमले की खबरें आई हैं।

आज अपरान्ह काल में, प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) की एक विज्ञप्ति में कहा गया, "7-8 मई 2025 दरमियानी के रात को ड्रोन और मिसाइलों को काम में लेते हुये, पाकिस्तान ने उत्तरी तथा पश्चिमी भारत के कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की। इनमें शामिल हैं- अवन्तीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जलांधर लुधियाना आदमपुर, बठिंडा, चण्डीगढ़, नाल, फलौदी, उत्तरलाई तथा भुज।"

विज्ञप्ति में आगे कहा गया, "ये (पाकिस्तान के हमले) इन्टीग्रेटेड काउन्टर यूएएस ग्रिड तथा एयर डिफेन्स सिस्टम द्वारा नाकाम कर दिये गये। कई स्थानों से इन हमलों का मलबा इकट्ठा किया जा रहा है। यह मलबा पाकिस्तानी हमलों के प्रमाण दे रहा है।" दिल्ली ने कहा है कि भारत के हमले की प्रबलता भी पाकिस्तान के हमले जैसी ही थी।

बुधवार की सुबह पीआईबी की विज्ञप्ति में कहा गया था, "भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने पाकिस्तान में कई स्थानों पर एयर डिफेन्स रडारों तथा सिस्टमों को निशाना बनाया। भारत के जवाब का प्रभाव क्षेत्र तथा प्रबलता पाकिस्तान के हमले जैसी ही थी। विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि लाहौर का एक एयर डिफेन्स सिस्टम निष्क्रिय कर दिया गया है।"

विज्ञप्ति में आगे कहा गया कि पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा के इर्द-गिर्द अकाकरण की गोलीबारी की तीव्रता बढ़ा दी तथा जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, पुंछ, मेंढ़र तथा राजौरी क्षेत्रों में मोर्टर तथा भारी क्षमता वाली तोपें काम में लीं।"

पीआईबी ने कहा है कि "पाकिस्तानी गोलाबारी में अब तक 16 लोग मारे गये हैं, जिनमें तीन महिलाएं और पाँच बच्चे शामिल हैं।"

पीआईबी ने आगे कहा कि "पाकिस्तान की तोपखाने की मार को रोकन के लिये, भारत को यहाँ भी जवाब देने के लिये बाध्य होना पड़ा।"

गुरुवार को सुबह, पाकिस्तानी सेना ने दावे के साथ कहा कि भारत इस्लामाबाद के एयरस्पेस को नष्ट करने के लिये इज़रायल -निर्मित ड्रोन्स का इस्तेमाल कर रहा है तथा दो दिन में इस प्रकार के 12 ड्रोन मार गिराये गये हैं। इधर, केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक सर्वदलीय बैठक में कहा कि अगर पाकिस्तान ऑपरेशन सिन्दूर का बदला लेता है तो भारत जवाबी हमला करेगा।

रॉयटर्स ने एक पाकिस्तानी रक्षा प्रवक्ता को उद्धृत करते हुये कहा, "भारत ने पाकिस्तानी एयरस्पेस को नष्ट करने के लिये हैरॉप ड्रोन काम में लिये, जिनमें से 12 ड्रोन मार गिराये गये।"

प्रवक्ता ने कहा कि भारत पाकिस्तानी एयरस्पेस में लगातार ड्रोन भेज रहा है तथा पाकिस्तान उन्हें एक-एक करके निष्क्रिय कर रहा है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि कराची तथा लाहौर सहित, विभिन्न स्थानों पर इन ड्रोनों का मलबा इकट्ठा किया जा रहा है। आईएपी हैरॉप एक "घूमने वाला आयुध (म्यूनिशन) है तथा मँडराता रहता है तथा कमान्ड देने पर हमला बोल देता है। यह "एमबीटी मिसाइल्स डिविजन ऑफ इजराइल एयरोस्पेस इण्डस्ट्रीज" तैयार किया गया है। हैरॉप ड्रोन सितम्बर 2009 में इंडियन एयरफोर्स में शामिल किये गये थे। बताया जाता है कि फरवरी 2019 में, आईएएफ ने कई 110 ड्रोन्स वाले तत्कालीन फ्लीट में 54 ड्रोन शामिल कर लिये थे तथा इन्हें नया नाम पी-4 दे दिया गया था।

पाकिस्तान ने भारत के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिली। अधिकांश सीमावर्ती क्षेत्र अब अंधेरे में डूबा हुआ है। गुरदासपुर, जो पंजाब का एक पास का शहर है, में भी ब्लैक आउट घोषित किया गया। सांबा, अखनूर, राजौरी और रियासी में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर भारी गोलाबारी पहले से ही जारी है।

ये हमले पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान और पाकिस्तान द्वारा नियंत्रित कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमलों के एक दिन बाद हुए हैं, जो कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए बड़े आतंकवादी हमले के बाद किए गए थे।

सरकार और सेना ने बार-बार यह कहा है कि ये हमले गैर-उत्तेजक, सटीक, नियंत्रित और नपे-तुले थे।

पाकिस्तान ने आज सुबह 15 शहरों, जिनमें श्रीनगर, पठानकोट, अमृतसर, लुधियाना, चंडीगढ़ शामिल थे, में सैन्य प्रतिष्ठानों को लक्षित करने का प्रयास किया, जिसे भारतीय सशस्त्र बलों ने नाकाम कर दिया।

भारतीय सेना ने प्रत्युत्तर में कई स्थानों, जिनमें लाहौर भी शामिल है, में पाकिस्तानी एयर डिफेंस राडार और सिस्टम को निशाना बनाकर नष्ट किया।

सरकार ने कहा कि भारतीय सेना की प्रतिक्रिया "उसी श्रेणी की और उसी तीव्रता की थी", जिस तरह के पाकिस्तान द्वारा हमले किए गए थे।

सरकार ने एक विज्ञप्ति में कहा, "भारतीय सशस्त्र बल अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराते हैं कि वे गैर-उत्तेजक प्रतिक्रिया देंगे, बशर्ते पाकिस्तानी सेना इसका सम्मान करे।"

चश्मदीद गवाहों ने जम्मू से बताया कि भारतीय काउंटर मिसाइलों द्वारा लगभग आठ पाकिस्तानी मिसाइलों को नष्ट कर दिया गया, जिसमें जम्मू एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया था। जैसलमेर पर भी हमले किए गए हैं, क्योंकि एक पाकिस्तानी एफ-16 जेट फाइटर को कथित तौर पर गिरा दिया गया है।

■ पर्यवेक्षकों का कहना है कि भारतीय सेना एलओसी और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर जवाबी कार्यवाही कर सकती है। हालात युद्ध की घोषणा की ओर बढ़ते लग रहे हैं।

विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय सशस्त्र बल सीमा रेखा (एल.ओ.सी.) और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर काउन्टर अटैक कर सकते हैं। उन्होंने कहा, "स्थिति युद्ध की घोषणा की ओर बढ़ती हुई प्रतीत हो रही है।"

दो पाकिस्तान ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुए 8 मिसाइल और 16 ड्रोन के साथ ही पाकिस्तान का एक एफ-16 फाइटर जेट और 2 जेएफ-17 फाइटर जेट मार गिराए हैं। एक -16 फाइटर जेट को राजस्थान में मार गिराया गया है. भारतीय सेना व बीएसएफ ने एक पाकिस्तानी फाइटर जेट के पायलट को जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में जिंदा पकडा है, जबकि एक पायलट को राजस्थान के जैसलमेर जिले के पोखरण इलाके में पकड़ा गया है।

चीन की सहायता से नॉर्थ-ईस्ट में अशान्ति फैला सकता है बाँग्लादेश

पिछले कुछ माह से बाँग्लादेश का राजनीतिक व मिलिटरी नेतृत्व खुलकर पाकिस्तान का समर्थन कर रहा है

■ बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस पाकिस्तान के साथ संबंध सुधारने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं।

■ भारत के लिये चिंता का विषय है, बाँग्लादेश द्वारा चीन की मदद से लालमोनिरहार एयरबेस के आधुनिकीकरण का तथाकथित प्रयास। यह एयरबेस भारत के सिलीगुड़ी कोरिडोर, चिकन्स नैक के पास है। यह कोरिडोर, चीन, भूटान व नेपाल की सीमा से लगा हुआ है और इन देशों के लिये नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में जाने का रास्ता है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के तेज होने के आसारों के बीच, सुरक्षा विशेषज्ञ एक और आसन्न खतरे की चेतावनी दे रहे हैं। उनके अनुसार, ऐसी संभावना है कि बाँग्लादेश उत्तर-पूर्व में चीन की मदद से संकट पैदा करने की कोशिश शुरु कर सकता है।

गत वर्ष शेख हसीना सरकार को उखाड़ फेंकने तथा अपना निर्वासन काल गुजारने के लिये हसीना के भारत आ जाने के बाद, बाँग्लादेश उस देश के प्रति शत्रुवत व्यवहार कर रहा है, जिसने उसे मुक्ति दिलाने में मदद की थी। अब पाकिस्तान के साथ उसकी नजदीकी हो गई है। हाल ही के महीनों में, बाँग्लादेश की राजनीति एवं सेना की ताकतवर आवाजें पाकिस्तान को खुला समर्थन और भारत के प्रति खुली दुश्मनी की बातें कह रही हैं।

जनवरी में, पाकिस्तानी सेना और आईएसआई का चार सदस्यों का उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ढाका गया था तथा उसने कई सैन्य प्रतिष्ठानों तथा एयर बेसेज के दौरे किये थे तथा बाँग्लादेश सरकार के उच्च पदस्थ लोगों के साथ मीटिंग की थीं। इससे पूर्व, बाँग्लादेश सरकार के उच्च पदाधिकारी, लेफ्टिनेन्ट जनरल एसएम कमरुल हसन के नेतृत्व में पाकिस्तान गये थे तथा उन्होंने वहाँ पाकिस्तानी सेना के समकक्ष अधिकारियों, जिनमें आर्मी चीफ जनरल आसिफ मुनीर, तथा जॉइन्ट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के चेयरमैन जनरल शाहिद शमशाद मिर्जा शामिल थे, के साथ मीटिंग की थीं। बताया जाता है कि इस प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री तथा उप प्रधानमंत्री के साथ गोपनीय मीटिंग की थीं

यह एक प्रमाणित तथ्य है कि मोहम्मद यूनुस, जो बाँग्लादेश की अन्तरिम सरकार के मुख्य सलाहकार हैं, के नेतृत्व में बाँग्लादेश, पाकिस्तान के साथ अपने रिश्ते सुधारने के लिये प्रयत्नशील है।

भारत की चिन्ता का विषय एक अन्य घटनाक्रम भी है, जिसका सम्बंध बाँग्लादेश के उन कथित प्रयासों से है, जिनके अन्तर्गत वह चीन की मदद से अपने लालमोनीरहाट एयरबेस का आधुनिकीकरण करने जा रहा है। इस एयरबेस का विशेष सामरिक महत्व है, क्योंकि यह भौगोलिक दृष्टि से "चिकन्सनैक", अर्थात भारत के सिलीगुडी कॉरिडोर के नजदीक स्थिति है। इनके बीच की दूरी मात्र 160 किमी है। इक्कीस किमी चौड़ा तथा 60 किमी लम्बा यह कॉरिडोर चीन, भूटान और नेपाल की सीमाओं से मिलता है तथा पूर्वोत्तर के राज्यों के लिये मुख्य द्वार का काम करता है।

हाल ही महीनों में, बाँग्लादेश ने कई असामान्य रणनैतिक कदम भी उठाये हैं, जैसे वहाँ की वायु सेना द्वारा "आकाश विजय" नामक ड्रिल का आयोजन। इस अवसर पर उपस्थित मोहम्मद यूनुस ने कहा था, "हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जहाँ युद्ध का खतरा निरन्तर मँडरा रहा है। भारत और पाकिस्तान संघर्ष के किनारे पर खड़े हैं तथा अफवाहें बता रही हैं कि किसी भी समय युद्ध छिड़ सकता है। ऐसे संदर्भ में, बाँग्लादेश का तत्पर न रहना आत्महत्या के अलावा और कुछ नहीं है।"

इससे पहले, बाँग्लादेश में चीन को निवेश के लिये आमंत्रित किये जाने पर भी यूनुस की आलोचना हुई थी, क्योंकि उनका देश भारत के उत्तर -पूर्वी लैंडलॉक्ड (जमीन से घिरे हुये) राज्यों के लिये "महासागर का एकमात्र संरक्षक है।

पाकिस्तान का 15 शहरों पर हमला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश की, जिनमें अवंतीपुरा , श्रीनगर , जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला , जालंधर , लुधियाना, आदमपुर, बटिंडा, चंडीगढ , नाल फलौदी, उत्तरलाई और भुज शामिल हैं। पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन को भारत की एकीकृत वायु रक्षा प्रणालियों ने नष्ट कर दिया।

मंत्रालय ने बताया कि आज सुबह भारतीय सुरक्षा बलों ने समानुपातिक जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान में कई जगह पर वायु रक्षा प्रणाली और राडारों को निशाना बनाकर हमला किया । विश्वसनीय जानकारी के अनुसार, इन हमलों में लाहौर की वायु रक्षा प्रणाली पूरी तरह से नष्ट हो गयी है।

मंत्रालय ने कहा है कि पाकिस्तान की नष्ट की गयी मिसाइलों और ड्रोन के मलबे को बरामद किया जा रहा है, जो पाकिस्तानी हमलों का प्रमाण है।

वक्तव्य में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पार से कुपवाड़ा, बारामुला, उरी, पुंछ, मेंधर और राजौरी सेक्टरों में बिना किसी उकसावे के फायरिंग तेज कर दी है, जिसमें मोर्टारों और भारी तोपखाने का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इस फायरिंग में 16 निर्दोष लोगों की जानें गयी हैं, जिनमें तीन महिला और पांच बच्चे शामिल हैं। भारत ने भी विवश होकर पाकिस्तानी फायरिंग को रोकने के लिए मोर्टार और तोपखाने से जवाबी कार्रवाई की।

रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई तनाव बढ़ाने वाली नहीं होगी बशर्ते कि पाकिस्तानी सेना भी संयम बरते।

अमेरिका चाहता है पाकिस्तान के आर्मी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को केवल स्टेडियम पर हमले तक सीमित रखा। खुफिया जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान अमृतसर में स्वर्ण मंदिर पर हमला करने की योजना बना रहा था। सूत्रों का कहना है कि अमेरिका भारत और पाकिस्तान के बीच घटनाओं पर बारीकी से नजर रखे हुए है और वह पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीफ मुनीर को हटाने का दबाव बना रहा है, क्योंकि मुनीर हाईलाइनर हैं है और वे भारत-पाक के बीच की उभरी समस्याओं, जिनमें पहलगाम अटैक भी है, के जनक हैं। उनकी हेट स्पीच के बाद ही पहलगाम अटैक हुआ था।

आम सहमति बन रही है कि यदि मुनीर को हटाया जाता है, तो स्थिति सामान्य हो सकती है। इस समय जम्मू एयरपोर्ट पर हमले का खतरा है और जम्मू में पूरी तरह से ब्लैक आउट किया गया है। उत्तरी भारत के अधिकांश एयरपोर्ट बंद है और कई क्षेत्रों में उड़ानें बाधित हो गई हैं। भारतीय सरकार का कहना है कि पहलगाम अटैक के कारण हालात बिगड़े भारत ने तो सिर्फ जवाब दिया है। लेकिन पाकिस्तान में दबाव बढ़ रहा है कि भारत पर हमला किया जाए क्योंकि उनकी हमलावर कोशिशें भारतीय सेना द्वारा नाकाम कर दी गई हैं और भारतीय तकनीक के कारण उनका हमला विफल हो गया है।

पाकिस्तान ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। पाकिस्तान की तरफ से लगातार मिसाइलें दागी जा रही हैं। कई ड्रोन हमले भी किए गए हैं। भारत का एयर डिफेंस सिस्टम सभी हमलों को नाकाम कर रहा है। अब तक 30 से ज्यादा मिसाइलें ध्वस्त की जा चुकी हैं। पाकिस्तानी हमले के बाद पूरे शहर में ब्लैकआउट कर दिया गया है।

"अभी पिक्चर बाकी है", बहुत गहराई है, पूर्व सेना प्रमुख नरवाने की टिप्पणी में

यही कारण है कि जनरल नरवाने के कथन का थिंक टैंक्स, मीडिया रूम्स तथा राजनीतिक क्षेत्रों में गहन विश्लेषण किया गया

■ पिछले कुछ समय से सेवानिवृत हुए वरिष्ठ अधिकारियों से टिप्पणी कराने की नीति अपनाई जा रही है। इनमें "अधिकृत वक्तव्य" का आवरण होता है। आवश्यकता पड़ने पर इस वक्तव्य को व्यक्तिगत विचार कहकर किनारे किया जा सकता है।

■ जनरल नरवाने की रणनीति बनाने की प्रतिष्ठा के कारण यह शुरु से ही माना जा रहा है कि यह एक साधारण टिप्पणी से कहीं अधिक गंभीर है।

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 8 मई। "अभी पिक्चर बाकी है", यह बात कही है पूर्व सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवाने ने और इस बात ने सस्पैंस और अटकलें बढ़ा दी हैं, साथ ही इसमें एक चेतावनी भी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सोशल मीडिया पर आई उनकी टिप्पणी राष्ट्रीय घोषणा जैसा असर दे रही है। हालांकि, ये भले ही फिल्मी शब्द हैं, पर इनका वास्तविक परिणाम अलग है।

भारत की सैन्य कार्यवाही, जो 22 अप्रैल के पहलगाम अटैक के जवाब में की गई थी, से पाकिस्तान व पाक अधिकृत कश्मीर के 9 आतंकी अड्डों को निशाना बनाया। ये अड्डे जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के थे और इन पर ड्रोन व मिसाइल अटैक किए गए। भारतीय अफसरों ने बताया, कार्यवाही काफी नपी तुली थी। यह इतनी आक्रामक थी कि आतंकी अड्डों को निशना बनाया, पर संयमित भी इतनी थी कि पाकिस्तान की सैन्य चौकियों को छुआ भी नहीं गया।

लेकिन फिर नरवाने का बयान आया। नरवाने हाल ही में सेना प्रमुख के पद से रिटारयर हुए हैं और सामरिक मामलों के विशेषज्ञ हैं। जब उनके स्तर का कोई व्यक्ति कुछ कहता है तो उसके गहरे मायने होते हैं। जब से उनकी टिप्पणी आई है, तब से ही मीडिया चैनल थिंक टैंक्स और राजनैतिक हल्कों में इसकी चर्चा हो रही है। यह उनकी निजी राय से कहीं अधिक है। इसे एक गुप्त चेतावनी और मनोवैज्ञानिक संकेत के रूप में देखा गया। यह शायद भारत के विकसित हो रही सुरक्षा नीति का अंग है।

पूर्व कोर कमांडर लैफ्टिनैंट जनरल सय्यद अता हसनैन (रिटायर्ड) ने एक टीवी पैनल चर्चा में कहा कि "जब कोई वरिष्ठ मिलिटरी लीडर यह भाषा बोलता है तो यह यूं ही नहीं होता। यह संभवतया रणनीतिक हल्कों में व्याप्त इस सहमति को दर्शाता है कि सीमा पार आतंकवाद की समस्या से एक बार की कार्यवाही से नहीं निपटा जा सकता, बल्कि इसके लिए लगातार प्रयास करने होंगे।"

सेवानिवृत जनरलों के बयान सरकार के बयानों जितने ही प्रभावित हो सकते हैं, यह बात नहीं नहीं है। आज के मीडिया प्रभावित रणनीतिक माहौल में उच्च पदों से रिटायर्ड सैन्य अफसरों के बयान निजी राय व सरकारी बयान के फर्क को धुंधला कर देते है। ये वरिष्ठ रिटायर्ड अफसर अब भी बेहद सम्मानित हैं और इनसे अक्सर राय मशविरा किया जाता है। ये अनौपचारिक संदेश वाहक की भूमिका निभा सकते हैं। ये नीति में बदलाव का संकेत दे सकते हैं और शत्रु को चेतावनी भी दे सकते हैं, वो भी बिना किसी सरकारी प्रतिबद्धता के।

भारत के एक वरिष्ठ सुरक्षा विश्लेषक ने कहा कि ये बयान नीति निर्माताओं को विचार-विमर्श और सौदेबाजी का विकल्प देते हैं।

अगर, संदेश पर नकारात्मक प्रतिक्रिया आती है तो इसे निजी राय बताकर खारिज किया जा सकता है। नरवाने का बयान न केवल भारतीय जनता को आश्वस्त करता है, बल्कि चीन को चेतावनी भी देता है कि बहुत कुछ हो सकता है।

पाकिस्तान में इस पर त्वरित प्रतिक्रिया हुई। पाकिस्तान ने हमलों को देश की संप्रभुता का उल्लंघन बताया और आतंकी अड्डे होने से इंकार किया। पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसे "युद्ध की कार्यवाही" करार दिया और माकूल जवाब देने की कसम ली। जवाब में पाकिस्तान ने लाहौर के निकट भारत के निगरानी ड्रोन को नष्ट कर दिया। कश्मीर में भी गोलीबारी शुरु हो गई, जिससे दोनों ओर की सीमा पर रहने वाले नागरिकों को अपने घर छोड़ने पड़े।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिक्रिया मिश्रित रहीं। अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने तनाव कम करने की अपील की, लेकिन भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को लेकर मूक सहमति नज़र आई। एक यूरोपीय थिंक टैंक के व्यक्ति ने टिप्पणी की, "भारत ने 2016 और 2019 में संयम बरता था। इस बार वह चरणबद्ध प्रतिक्रिया पर चलता दिख रहा है।"

चीन ने विशेष रूप से चुप्पी साध रखी है। पाकिस्तान तथा सीमा क्षेत्र में अपने निवेश को देखते हुए, बीजिंग घटनाक्रम पर सावधानीपूर्वक नज़र रख रहा है। शायद वो यह मूल्यांकन कर रहा है कि भारत की रणनीति में यह बदलाव पाकिस्तान में उसकी बेल्ट एंड रोड परियोजनाओं पर कैसे असर डाल सकता है।

नई दिल्ली के लिए, ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सामरिक प्रतिघात नहीं, बल्कि एक संभावित नीति बदलाव का संकेत है- जिसमें संतुलित प्रतिशोध को एक नियम के रूप में अपनाया गया है। इस नई नीति में रणनीतिक अस्पष्टता और सूचना युद्ध उतने ही अहम हैं, जितनी सैन्य शक्ति।

देश के भीतर नरवाने के वाक्य ने राष्ट्रवादी भावना को जगा दिया है। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट वायरल हो गई है और एक नारा बन गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह सत्तारूढ़ पार्टी की निर्णायक नेतृत्व की छवि से मेल खाता है, विशेषकर आम चुनाव से पहले। परंतु इन प्रतीकों से परे, यह संदेश इस गहरी सच्चाई को भी छूता है कि भारत अब पाकिस्तान से जुड़ी अपनी दीर्घकालिक सुरक्षा समस्या से निपटने के तरीके पर पुनर्विचार कर रहा है।

यह बात एक ऐसे पूर्व सेना प्रमुख द्वारा कही गई है, जिन्होंने गलवान संकट के समय सेना का नेतृत्व किया और सीमा पार खतरों को प्रत्यक्ष देखा। नरवाने का शब्दों का चयन प्रतीकात्मक होने के साथ-साथ रणनीतिक भी है।

यह दुश्मनों और सहयोगियों, दोनों को याद दिलाता है कि असली चुनौती आतंकवाद को हमले के बाद दंडित करना नहीं, बल्कि अगले हमले को रोकना है। और इसके लिए केवल मिसाइलें और हमले ही नहीं, बल्कि "डिटरैंस" (निरोध) शब्द की नई परिभाषा की जरूरत है।

क्या आगे और हमले अवश्यंभावी हैं, यह तो स्पष्ट नहीं है। लेकिन यह तय है कि भारत का अधिकारिक और अनौपचारिक, दोनों तरह का रणनीकि संदेश तीखा होता जा रहा है और इस माहौल में, एक सेवानिवृत्त जनरल की चार शब्दों की सोशल मीडिया पोस्ट, कभी-कभी एक संपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रैंस से अधिक कह जाती है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908